web: www.nyaysakshi.com
पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल
पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 16 अप्रैल 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 198

रामनवमी पर श्रद्धालु रात 11 बजे तक कर सकेंगे रामलला के दर्शन

- -भोर में 3:30 बजे से देर रात तक श्रृंगार एवं दर्शन साथ-साथ चलते रहेंगे
- -19 अप्रैल तक वीआईपी दर्शन एवं आरती पास पर रोक'
- -12 बजकर 16 मिनट पर करीब 5 मिनट तक श्रीराम का होगा सूर्य अभिषेक

अयोध्या । आरएनएस

श्रीरामलला मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रामनवमी पर रात्रि 11 बजे तक दर्शन हो सकेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चम्पत राय ने इस संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि श्रीराम नवमी महोत्सव के दौरान मंगला आरती के पश्चात ब्रह्म मुहूर्त में अति प्रात: 3:30 बजे से अभिषेक, शृंगार एवं दर्शन साथ-साथ चलते रहेंगे। श्रृंगार आरती प्रात: 5:00 बजे होगी, श्री रामलला का दर्शन एवं सभी पूजा-विधि यथावत साथ-साथ चलती रहेंगी। भगवान को भोग लगाने के लिए समय-समय पर अल्प-काल को पर्दा रहेगा। रात्रि 11:00 बजे तक दर्शन का क्रम पूर्ववत चलता रहेगा, तत्पश्चात परिस्थिति अनुसार भोग एवं शयन आरती होगी।

तीर्थ क्षेत्र की ओर से बताया गया कि रामनवमी पर शयन आरती के पश्चात मन्दिर निकास मार्ग पर प्रसाद मिलेगा। दर्शनार्थी अपना मोबाइल, जूता, चप्पल, बड़े बैग एवं प्रतिबंधित सामग्री आदि मंदिर से दूर सुरक्षित रखकर आएं। बताया कि दिनांक 16, 17, 18 एवं 19 अप्रैल को सुगम दर्शन पास, वीआईपी दर्शन पास, मंगला आरती पास, श्रंगार आरती पास एवं शयन आरती पास नहीं बनेंगे। सुग्रीव किला के नीचे, बिड़ला धर्मशाला के सामने, श्री रामजन्मभूमि प्रवेश द्वार पर 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र' द्वारा यात्री सेवा केन्द्र बनाया गया है जिसमें जन-सुविधाएं उपलब्ध हैं। श्री राम जन्मभूमि मन्दिर में संपन्न होने वाले सभी कार्यक्रमों का सजीव प्रसारण अयोध्या नगर निगम क्षेत्र में लगभग 80 से 100 स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाकर दिखाया जाएगा। यह कार्य प्रसार भारती द्वारा श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किया गया है। इसका सीधा प्रसारण उपलब्ध रहेगा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि रामनवमी पर भगवान रामलला के ललाट पर सूर्य किरण 12:16 मिनट के करीब 5 मिनट तक पड़ेगी, इसके लिए महत्वपूर्ण तकनीकी व्यवस्था की जा रही है। वैज्ञानिक इस अलौकिक पलों को पूरी भव्यता से प्रदर्शित करने के लिए जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर का बचा हुआ कार्य भी दिसंबर 2024 तक पूरा हो जाएगा।

दिसम्बर 2024 तक पूरे हो जाएंगे मंदिर से जुड़े सभी कार्य

-राम जन्मोत्सव की व्यवस्था की निगरानी के लिए यहां पहुंचे राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने सोमवार को दावा किया है कि श्रीराम जन्मभूमि परिसर में रामलला का मंदिर इस वर्ष दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मंदिर का संपूर्ण परकोटा और श्रद्धालुओं के लिए सुविधा केंद्र सहित राम मंदिर से जुड़े सभी कार्य इसी वर्ष 2024 के दिसंबर तक पूर्ण हो जाए उन्होंने कहा रामनवमी मेले के पर प्रशासन और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट समन्वय करके श्रद्धालुओं के लिए रामलला के दर्शन की सरल और सुलभ व्यवस्था देंगे, क्योंकि हमारी प्राथमिकता है कि अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। बता दे कि राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र राम जन्मोत्सव की व्यवस्था की निगरानी के लिए यहां पहुंचे हैं।बता दें कि रविवार को उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के साथ परिसर में तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण भी किया है।

अयोध्या हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन का जारी हुआ नया शेड्यूल

-सुबह 4 बजे से शुरू हो जाएगा भक्तों का प्रवेश,15 से 18 अप्रैल तक रहेगा लागू

रामनवमी को देखते हुए हनुमानगढ़ी के गद्दी नशीन महंत प्रेमदास की ओर से दर्शन-पूजन का नया शेड्यूल जारी किया गया है। यह शेड्यूल आज से लागू किया गया है। 15 अप्रैल से 18 अप्रैल तक के लिए जारी शेड्यूल के अनुसार हनुमानगढ़ी पर सुबह 3:00 बजे से 4:00 बजे तक हनुमंतलला का होगा आरती पूजन व श्रृंगार, प्रात: 4:00 बजे से दर्शनार्थियों का प्रवेश शुरू हो जाएगा।दोपहर 12:00 से 12:20 तक मंदिर का पट बंद रहेगा, भोग और आरती के लिए प्रतिबंधित रहेगा दर्शन प्रवेश, शाम 3:00 बजे से 3:20 तक आरती पूजा के लिए बंद किया जाएगा दर्शन, संध्या आरती के लिए रात्रि 10:00 बजे से 10:30 बजे तक श्रद्धालुओं का प्रवेश बाधित रहेगा। रात 11:30 पर हनुमानगढ़ी पर होगी शयन आरती, शयन आरती के बाद हनुमानगढ़ी बंद कर हो जाएगी। जबकि रामनवमी के दिन श्रद्धालुओ के लिए विशेष व्यवस्थाएं लागू रहेंगी।

रामनवमी 17 अप्रैल को रात 2:30 बजे से 3:30 बजे तक हनुमानजी का पूजन और आरती और श्रृंगार होगा। दर्शन के लिए सुबह 3:30 पर दर्शनार्थियों का प्रवेश शुरू हो जाएगा। दोपहर 11:45 से 12:20 तक श्री राम के जन्म आरती के लिए हनुमानगढ़ी का कपाट बंद रहेगा, रामनवमी को सांयकाल काल की आरती 3:00 से 3:20 तक होगी। रात 10:00 बजे 10:30 बजे तक होने वाली संध्या आरती में श्रद्धालुओं का प्रवेश बंद रहेगा। रात 11:30 बजे हनुमान लला का पट आमजन के लिए बंद हो जाएगा।

इस साल मानसून में औसत से अधिक बारिश का अनुमान

नई दिल्ली । आरएनएस

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को 2024 में औसत से अधिक मानसूनी बारिश का अनुमान लगाया है, जो देश के कृषि क्षेत्र के लिए अच्छी खबर है। पिछले साल अनियमित मौसम से कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ था। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम. रविचंद्रन ने कहा कि मानसून आम तौर पर 1 जून के आसपास केरल में आता है और सितंबर के मध्य में वापस चला जाता है। इस साल औसत बारिश 106 फीसदी होने की उम्मीद है। रविचंद्रन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, पूर्वानुमान से पता चलता है कि जून से सितंबर के दौरान मानसून मौसमी वर्षा लंबी अवधि के औसत का 106 फीसदी होने की संभावना है। आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि अल नीनो, जो मानसून को बाधित करता है, कमजोर हो रहा है और मानसून आने तक यह हट जाएगा। ला नीना भारत में अधिक वर्षा का कारण बनती है। यह अगस्त तक स्थापित हो जाएगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था में मानसून एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देश की लगभग 50 फीसदी कृषि भूमि के पास सिंचाई का कोई अन्य साधन नहीं है। मानसून की बारिश देश के जलाशयों और जलभृतों को रिचार्ज करने के लिए भी महत्वपूर्ण है, जहां से पानी का उपयोग साल के अंत में फसलों की सिंचाई के लिए किया जा सकता है। भारत खाद्यान्न के एक प्रमुख निर्यातक के रूप में उभरा है, लेकिन पिछले साल अनियमित मानसून के चलते कृषि उत्पादन प्रभावित हुआ। इससे आपूर्ति बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए चीनी, चावल, गेहूं और प्याज के विदेशी शिपमेंट पर अंकुश लगाना पड़ा। कृषि क्षेत्र में मजबूत वृद्धि मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने में मदद करती है।

पाकिस्तान में भीषण बारिश ने मचाई तबाही, गलियां बनी तालाब, 39 की मौत; बलूचिस्तान में आपातकाल घोषित

इस्लामाबाद । आरएनएस

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बारिश ने बड़ा नुकसान पहुंचाया है। यहां पिछले तीन दिनों से बारिश जारी है जिसके चलते गलियां तालाब बन चुकी हैं और कई जगह सडक़ें बह गई हैं। यही नहीं हालात इतने भीषण हैं कि सरकार ने बलूचिस्तान में आपातकाल घोषित कर दिया है। इस बारिश के चलते देश के अलग-अलग अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 12 लोगों की मौत अकेले रविवार को ही खैबर पख्तूनख्वा में ही हो गई। इसके अलावा पंजाब में 4 और बलूचिस्तान में दो लोगों की मौत हो गई। बलूचिस्तान के मकरान में भीषण बारिश हुई और कई जगहों पर बिजली भी गिरी। इन घटनाओं में दो और लोगों की मौत हो गई।

इसके साथ ही बलूचिस्तान में मरने वाले लोगों की संख्या बढक़र 10 हो गई है। हालात इतने विकट हैं कि बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में इमरजेंसी घोषित की गई है। बलूचिस्तान सरकार ने अर्बन फ्लड इमरजेंसी घोषित की है और सीएम सरफराज बुगती ने ऑनलाइन मीटिंग बुलाकर हालात का जायजा लिया है। इस बारिश की वजह से पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में भी हालात बिगड़ गए हैं। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने भी हालात से निपटने के लिए मीटिंग बुलाई है। उन्होंने बैठक के बाद कहा कि हमने बचाव दलों को आदेश दिया है कि वे तत्काल लोगों को मदद करें।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस बारिश से यह भी उम्मीद है कि जलाशयों को थोड़ा पानी मिल सकेगा। कई जगहों पर झीलें और तालाब सूखने के कगार पर थे। अब इस बारिश से थोड़ी राहत मिलेगी। अफगानिस्तान में भी भारी बारिश के चलते 33 लोगों की मौत हुई है और 27 जख्मी हो गए हैं। तालिबान के शासन वाले अफगानिस्तान में भारी बारिश की वजह से कई जगहों पर घर भी गिर गए हैं। अब तक मिली जानकारी के अनुसार अफगानिस्तान में करीब 600 मकान जमींदोज हो गए, जबकि 200 जानवर भी मारे गए हैं। इस बाढ़ से बड़े पैमाने पर खेती योग्य जमीन को भी नुकसान पहुंचा है और सडक़ें भी टूट गई हैं।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ को 21 पूर्व न्यायाधीशों ने लिखी चिट्ठी, कहा- न्यायपालिका पर दबाव बनाने और कमजोर करने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली । आरएनएस

उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के लगभग 21 पूर्व न्यायाधीशों ने 'न्यायपालिका पर दबाव बनाने और उसे कमजोर करने' के लिए किए जा रहे कथित प्रयासों से भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को एक पत्र के जरिए अपनी चिंताओं से अवगत कराया है। पूर्व न्यायाधीशों ने पत्र में मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली न्यायपालिका से ऐसे दबावों के खिलाफ मजबूत होने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि हमारी कानूनी प्रणाली की पवित्रता और स्वायत्तता संरक्षित रहे।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ को भेजी गई चिट्ठी पर हस्ताक्षर करने वालों में शीर्ष अदालत के चार पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक वर्मा,न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एम आर शाह शामिल हैं। इनके अलावा हस्ताक्षर करने वालों में बाकी 17 विभिन्न उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीश हैं।

पूर्व न्यायाधीशों ने अपने पत्र में कहा, हम विशेष रूप से गलत सूचना की रणनीति और न्यायपालिका के खिलाफ जनता की भावनाओं को भडक़ाने के प्रयासों में चिंतित हैं। यह कोशिश न केवल अनैतिक हैं, बल्कि हमारे लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों के लिए नुकसानदायक भी हैं।

पत्र के जरिए पूर्व न्यायाधीशों ने न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ से कहा, यह हमारे संज्ञान में आया है कि ये तत्व (न्यायपालिका पर कथित दबाव बनाने और कमजोर करने का प्रयास करने वाले) संकीर्ण राजनीतिक हितों और व्यक्तिगत लाभ से प्रेरित होकर हमारी न्यायिक प्रणाली में जनता के विश्वास को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। उनके इस मामले में काम करने के तरीके कहीं अधिक कपटपूर्ण हैं। उन्होंने उन तरीकों से स्पष्ट रूप से दोषारोपण करके न्यायिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने का प्रयास किया।

पत्र में कहा गया है कि इस तरह की कोशिश न केवल हमारी न्यायपालिका की पवित्रता का अपमान करती हैं, बल्कि न्याय और निष्पक्षता के सिद्धांतों के लिए सीधी चुनौती भी हैं।पत्र में यह भी कहा गया है कि किसी के विचारों से मेल खाने वाले न्यायिक निर्णयों की चुनिंदा रूप से प्रशंसा करने और जो विचारों से मेल नहीं खाते उनकी तीखी आलोचना करने की परंपरा, न्यायिक समीक्षा और कानून के शासन के सार को कमजोर करती हैं।

लेंटर गिरने से 20 मजदूर दबे, दो की मौत 15 अस्पताल में भर्ती

मुजफ्फरनगर । आरएनएस

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुजफ्फरनगर में बिल्डिंग गिरने की घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार कराने को कहा है। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की बचाव टीमें घटनास्थल पर पहुंचने के बाद बचाव कार्य कर रही हैं। साथ ही डॉक्टर्स की टीम भी तैनात की गई है।

पानीपत-खटीमा हाईवे के तालड़ा मोड़ पर दुमंजिला 12 दुकानों का लिंटर जैक लगाकर उभारने के दौरान बड़ा हादसा हुआ। अचानक लिंटर भरभराकर गिर गया, जिसके नीचे 20 मजदूर दब गए, जिनमें दो की मौत हो गई। 15 मजदूर अस्पताल में भर्ती हैं। एडीजी डीके ठाकुर, केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान, भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत और कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार मौके पर पहुंचे। देर रात तक राहत कार्य जारी है।

जानसठ के तालड़ा मोड़ पर मवाना के मुरसलीन कुरैशी ने ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल पर छह-छह दुकानें बनाई थी। हाईवे की ऊंचाई अधिक होने के कारण दुकानों का लिंटर जैक लगाकर उभरवाने के लिए रामपुर के थाना शाहाबाद के गांव मजरा रायपुर के ठेकेदार छुट्टन पुत्र अजब सिंह को ठेका दिया गया था। रविवार शाम करीब पांच बजे काम के दौरान लिंटर गिर गया। दूर तक शोर सुना गया। आसपास के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई। डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी और एसएसपी अभिषेक सिंह ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू कराया।

मुरादाबाद के बिलारी क्षेत्र के गांव नियामतपुर निवासी मजदूर मोहित और रामपुर के थाना शाहाबाद क्षेत्र के गांव लोदीपुर निवासी पीयूष की मौत की पुष्टि हुई है। घायल 15 मजदूरों को जानसठ सीएचसी और जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने बताया कि राहत कार्य चल रहा है। मेडिकल की टीम मौजूद हैं। ठेकेदार ने मजदूरों की संख्या 20 बताई थी। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि एक मजदूर मलबे में फंसा हो सकता है।

लाल किले के पास कैब ड्राइवर को गोलियों से भूना, भिखारी को भी मारी गोली

- घटना सीसीटीवी में कैद

नई दिल्ली । आरएनएस

दिल्ली में लाल किले के पास अज्ञात व्यक्तियों ने 36 वर्षीय कैब ड्राइवर की हत्या कर दी और एक भिखारी को गोली मार दी। इस संबंध में पुलिस ने कहा कि रविवार रात 1:50 बजे एलएनजेपी अस्पताल से सूचना मिली कि जाकिर नगर के निवासी मोहम्मद साकिब को पलवल निवासी लवकुश (15) के साथ गोली लगने के बाद भर्ती कराया गया है। पुलिस को घटनास्थल से 4 से 5 खोके मिले हैं। सीसीटीवी में घटना कैद हो गई है।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) एम.के. मीना ने कहा, उपचार के दौरान साकिब ने दम तोड़ दिया। जांच के दौरान पता चला कि लगभग आधी रात को कोडिया पुल से छत्ता रेल क्रॉसिंग की ओर आ रही एक मारुति वैगन-आर ने एक बैटरी रिक्शा को टक्कर मार दी। इस पर विवाद हो गया। थोड़ी देर की बहस के बाद वैगन-आर के ड्राइवर साकिब को दो लोगों ने जबरन गाड़ी से उतार लिया। मौके पर लोगों के जुटने पर ड्राइवर ने एक हमलावर को पकड़ लिया।

डीसीपी ने कहा, विवाद बढऩे पर हमलावरों में से एक ने साकिब और भिखारी लवकुश को गोली मार दी। राहगीरों ने तुरंत दोनों को एलएनजेपी अस्पताल पहुंचाया। डीसीपी ने कहा, केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

अस्पताल प्रशासन की बड़ी लापरवाही, बिजली जाने पर जेनरेटर नहीं चलने से 5 माह के मासूम की मौत

बूंदी । आरएनएस

राजस्थान के देई कस्बे में स्थित राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे पांच माह के बच्चे की मौत को लेकर सोमवार को दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा। युवाओं ने अस्पताल के मेन गेट पर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर आक्रोश जताया। इसके साथ ही अस्पताल में धरना देकर बैठ गए। युवाओं का कहना है कि जब तक उच्च अधिकारी मौके पर नहीं आते और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक धरना जारी रहेगा।

गौरतलब है कि जेनरेटर न चलने के कारण ऑक्सीजन नहीं लगाया जा सका, जिसके चलते रविवार रात को पांच माह के एक मासूम की मौत हो गई। परिजनों ने उच्च अधिकारियों से इसकी शिकायत की है। मृतक के पिता ने बताया कि रविवार शाम 5 बजे अपने बेटे को लेकर देई सीएचसी अस्पताल पहुंचा, जहां पर महिला चिकित्सक को दिखाया।

लेकिन, अस्पताल में जेनरेटर न चलने के कारण ऑक्सीजन नहीं लगाया जा सका, जिससे उसकी मौत हो गई। करीब दो घंटे तक अस्पताल की बिजली गुल रही। मासूम की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। बच्चे को सही समय पर इलाज के लिए ऑक्सीजन नहीं मिली, इस कारण उसने दम तोड़ दिया।

इस बारे में चिकित्सा अधिकारी योगेश पवार ने बताया जेनरेटर में डीजल नहीं था, डीजल डलवा दिया। जब अस्पताल प्रशासन से लापरवाही के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने पल्ला झाड़ लिया।

युवा हेमंत बैरवा सहित अन्य लोगों ने बताया कि अस्पताल प्रशासन द्वारा चिकित्सा सुविधा के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। रात के समय इमरजेंसी मे अस्पताल में डॉक्टर नहीं मिलते, प्रसूताओं से नर्सों द्वारा डिलीवरी करवाने के नाम पर पैसों की मांग की जाती है। नहीं देने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया जाता है। अस्पताल में पर्याप्त ऑक्सीजन सुविधा मौजूद है, लेकिन इमरजेंसी में बिजली सुविधा के लिए काम आने वाले जेनरेटर मे डीजल नहीं होता है। इसका खामियाजा आज एक मजदूर को भुगतना पड़ा है।

मृतक की मां के साथ आई मकान मालिक की पत्नी छोटी बाई ने बताया कि शाम 5 बजे बच्चे की तबियत खराब होने पर सामुदायिक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पर महिला चिकित्सक को दिखाया। बच्चे को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। लेकिन, अस्पताल मे बिजली बंद होने से अंधेरा हो रहा था। जब इमरजेंसी जनरेटर चलाने के लिए बोला तो स्टाफ ने बताया कि जेनरेटर में तेल नहीं है। बच्चे को ऑक्सीजन की जरूरत थी और उसकी तबीयत लगातार बिगड़ रही थी।

महत्वपूर्ण एवं खास

सड़क हादसे में दो सगे भाई किसान की मौत: तीन घायल, खड़े ट्रैक्टर को ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर

गंजबासौदा (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के विदिशा जिले के बांगरोद में भीषण सडक़ हादसा हो गया। अनाज बेचने वेयरहाउस पर खड़े ट्रैक्टर को ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे दो किसानों की मौके पर मौत हो गई और तीन किसान गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना देर रात की बताई जा रही है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। त्योंदा थाना प्रभारी एमएल भाटी ने बताया कि थाना अंतर्गत बागरोद चौराहे के नजदीक संस्कार वेयरहाउस पर रात करीब 3 बजे सागर की तरफ से आ रहे एक ट्राले ने वेयरहाउस पर अपना अनाज बेचने आए ग्राम ढोलबाज के किसानों के ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि ट्राली ट्रैक्टर के ऊपर हो गई और ट्रॉली ट्रैक्टर के नीचे दबने से दो सगे भाई रवि कुर्मी एव कृष्णकांत निवासी ढोलवाज की मौत हो गई। ट्रैक्टर ट्राली के नीचे तीन अन्य लोग दबे थे जिन्हें जेसीबी की मदद से बाहर निकाल कर उपचार के लिए त्यौंदा भेजा गया। हादसे के बाद ट्रक चालक एवं परिचालक मौके से फरार हो गए।

हर रोज 100 करोड़ जब्त कर रहा चुनाव आयोग, 75 साल के इतिहास में सबसे अधिक रिकवरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव 2024 को निष्पक्ष रूप से करवाने के लिए चुनाव आयोग सख्त कदम उठा रहा है। सख्त कदमों के तहत चुनाव आयोग ने अब तक की सबसे बड़ी जब्ती की है। चुनाव आयोग ने आज कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव अधिकारी एक मार्च से हर दिन 100 करोड़ रुपये मूल्य की जब्ती कर रहे हैं। आयोग ने बताया कि प्रवर्तन अधिकारी लोकसभा चुनाव के लिए मतदान शुरू होने से पहले ही 4,650 करोड़ रुपये की जब्ती कर चुके हैं, जो 2019 लोकसभा चुनावों में की गई 'कुल जब्ती से अधिक' है। यह 75 साल के इतिहास में अब तक की सबसे अधिक रिकवरी है। चुनावों में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग देश में अलग-अलग एजेंसियों की मदद ले रहा है। कैश और सोने-चांदी-हीरे की जब्ती के लिए इनकम टैक्स, राज्य पुलिस, आरबीआई, स्रुक्चष्ट, र्ढ्ढ, क्चष्ट्रस्, स्टेट सिविल एविएशन, प्रवर्तन निदेशालय, डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट, ष्ट्ढढस्स्न की मदद ली जा रही है जबकि शराब बांटने से रोकने के लिए राज्य पुलिस, राज्य एक्साइज और क्रक्कस्न मदद कर रही है।

जालंधर में फुटपाथों पर अनाधिकृत बोर्ड लगाने पर रोक

जालंधर (आरएनएस)। ज्वाइंट कमिश्नर पुलिस संदीप शर्मा ने दंड संहिता, 1973 की धारा 144 के अधीन अधिकारों का प्रयोग करते हुए, कमिश्नरेट पुलिस जालंधर की सीमा में दुकानों के साथ फुटपाथ पर अनधिकृत बोर्ड लगाने दुकानदारों द्वारा दुकानों की सीमा के बाहर सडक़ों पर सामान रख कर और फुटपाथ पर सामान बेचने पर रोक लगाई गई है। यह आदेश 11.06.2024 तक लागू रहेंगे।

जम्मू-कश्मीर के सोपोर में मां की हत्या के आरोप में शख्स गिरफ्तार

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के सोपोर इलाके में पुलिस ने सोमवार को एक व्यक्ति को अपनी मां की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि सोपोर के रफियाबाद इलाके के हादीपोरा गांव के अमीर वानी को हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया है। हत्या 14 अप्रैल और 15 अप्रैल की मध्यरात्रि को की गई। पुलिस ने कहा, आरोपी ने धारदार हथियार से हमला किया। वह पेशे से ड्राइवर है। अपराध करने के कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। हत्या का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है।

पिकअप वैन और ट्रैक्टर के बीच जबरदस्त भिड़ंत, तीन महिलाओं की मौत

रांची (आरएनएस)। झारखंड के रांची जिले में सोमवार की सुबह सडक़ पर बने डिवाइडर से टकराने के बाद एक पिकअप वैन की ट्रैक्टर से टक्कर हो गयी, जिससे उसमें (वैन में) सवार तीन महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा रातुचट्टी इलाके में हुआ। रातु पुलिस थाने के निरीक्षक शशिभूषण चौधरी ने बताया कि ये महिलाएं चैती छठ के मौके पर पूजा के लिए एक जलाशय की ओर जा रही थीं। उन्होंने बताया, तीनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।